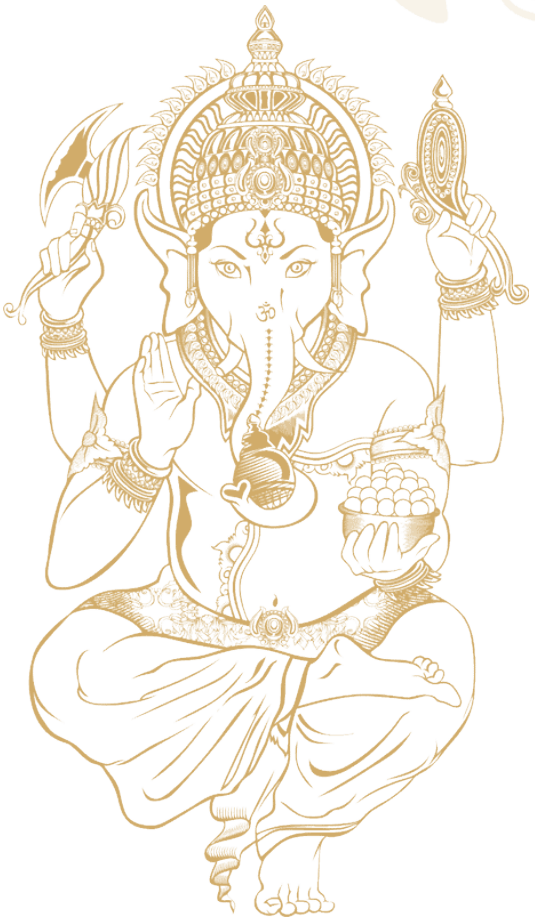

A

30 Jul 1984

09:30 PM

Delhi

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/07/1984**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:30:00 घंटे**
इष्ट	39:31:29 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:06:23 घंटे
साम्पातिक काल	17:42:46 घंटे
सूर्योदय	05:41:24 घंटे
सूर्यास्त	19:13:13 घंटे
दिनमान	13:31:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:00:37 कर्क
लग्न के अंश	00:12:27 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वरियान
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	00:12:27	514:04:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			कर्क	14:00:37	00:57:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	14:07:42	14:53:09	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			तुला	27:40:34	00:25:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध			सिंह	11:12:33	01:00:38	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	10:53:08	00:05:18	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	स्वराशि
शुक्र			कर्क	26:19:45	01:13:51	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि			तुला	16:18:32	00:01:41	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		वृष	10:48:46	00:08:32	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	10:48:46	00:08:32	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	मित्र राशि
हर्ष	व		वृश्चि	16:02:19	00:00:55	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
नेप	व		धनु	05:26:46	00:01:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	---
प्लूटो			तुला	05:48:19	00:00:43	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	02:24:13	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:16

लग्न-चलित

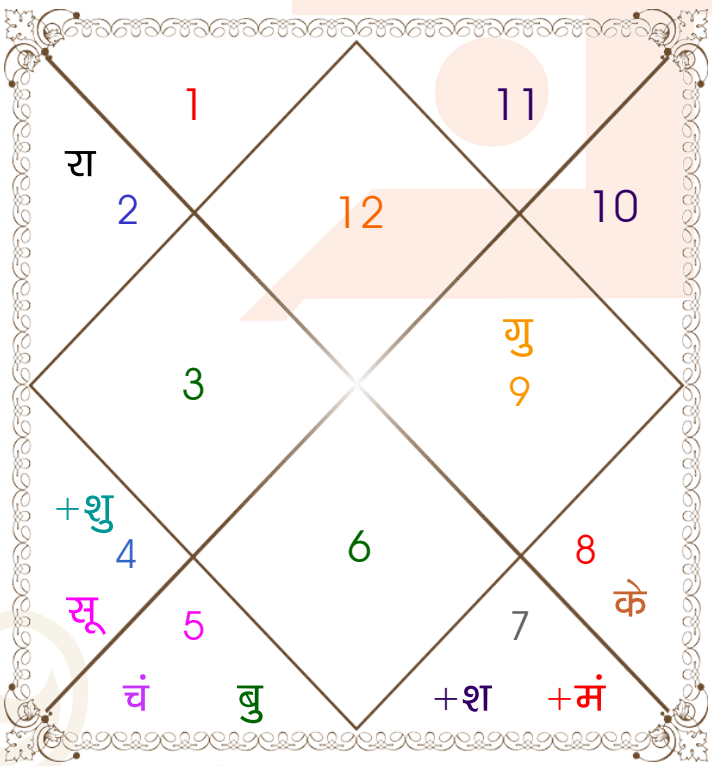

चन्द्र कुंडली

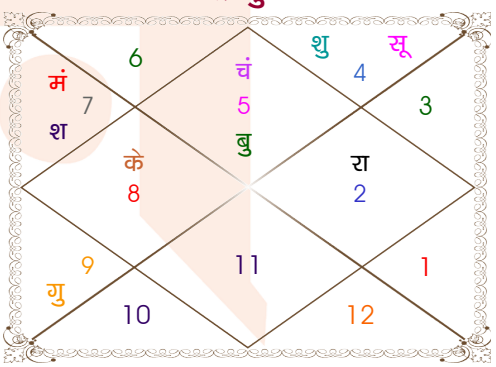

नवमांश कुंडली

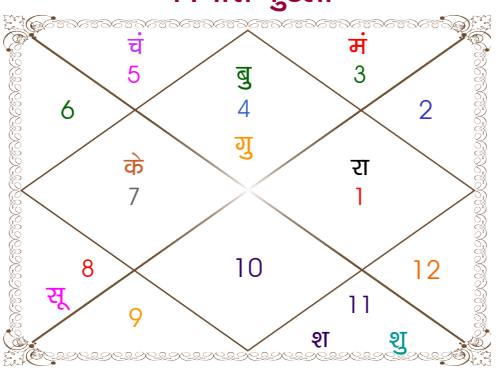

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 18 वर्ष 9 मास 21 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
30/07/1984		22/05/2003		21/05/2009		22/05/2019		22/05/2026	
22/05/2003		21/05/2009		22/05/2019		22/05/2026		21/05/2044	
शुक्र	20/09/1986	सूर्य	08/09/2003	चंद्र	22/03/2010	मंगल	18/10/2019	राहु	01/02/2029
सूर्य	21/09/1987	चंद्र	09/03/2004	मंगल	21/10/2010	राहु	05/11/2020	गुरु	27/06/2031
चंद्र	21/05/1989	मंगल	15/07/2004	राहु	21/04/2012	गुरु	11/10/2021	शनि	03/05/2034
मंगल	22/07/1990	राहु	09/06/2005	गुरु	21/08/2013	शनि	20/11/2022	बुध	20/11/2036
राहु	21/07/1993	गुरु	28/03/2006	शनि	22/03/2015	बुध	17/11/2023	केतु	08/12/2037
गुरु	21/03/1996	शनि	10/03/2007	बुध	20/08/2016	केतु	15/04/2024	शुक्र	08/12/2040
शनि	22/05/1999	बुध	14/01/2008	केतु	22/03/2017	शुक्र	15/06/2025	सूर्य	02/11/2041
बुध	22/03/2002	केतु	21/05/2008	शुक्र	20/11/2018	सूर्य	21/10/2025	चंद्र	04/05/2043
केतु	22/05/2003	शुक्र	21/05/2009	सूर्य	22/05/2019	चंद्र	22/05/2026	मंगल	21/05/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
21/05/2044		21/05/2060		22/05/2079		21/05/2096		23/05/2103	
21/05/2060		22/05/2079		21/05/2096		23/05/2103		00/00/0000	
गुरु	09/07/2046	शनि	25/05/2063	बुध	18/10/2081	केतु	17/10/2096	शुक्र	31/07/2104
शनि	20/01/2049	बुध	01/02/2066	केतु	15/10/2082	शुक्र	17/12/2097		00/00/0000
बुध	28/04/2051	केतु	13/03/2067	शुक्र	15/08/2085	सूर्य	24/04/2098		00/00/0000
केतु	02/04/2052	शुक्र	13/05/2070	सूर्य	21/06/2086	चंद्र	23/11/2098		00/00/0000
शुक्र	02/12/2054	सूर्य	25/04/2071	चंद्र	21/11/2087	मंगल	21/04/2099		00/00/0000
सूर्य	21/09/2055	चंद्र	23/11/2072	मंगल	17/11/2088	राहु	10/05/2100		00/00/0000
चंद्र	20/01/2057	मंगल	02/01/2074	राहु	06/06/2091	गुरु	16/04/2101		00/00/0000
मंगल	27/12/2057	राहु	08/11/2076	गुरु	11/09/2093	शनि	26/05/2102		00/00/0000
राहु	21/05/2060	गुरु	22/05/2079	शनि	21/05/2096	बुध	23/05/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 18 वर्ष 9 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।